राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 225 | जौनपुर | शनिवार, 05 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

अष्टमी तक लाखो भक्तों ने माता शीतला के दरबार में लगाई हाजिरी लोगो की आस्था केंद्र है माता का धाम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुर्वांचल की प्रसिद्ध माता शीतला चौकियां धाम में महा अष्टमी के दिन शनिवार सुबह से ही माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी है।सुबह चार बजे महागौरी की पूजा अर्चना के बाद भक्तों के लिए कपाट खोल दिए गए।रामनवमी पर अब तक लाखो भक्त माता शीतला के दर्शन कर चुके है।लोगो की आस्था है कि पराशक्ति मां शीतला की प्रतिमा प्राकृतिक रूप से यहां प्रकट हुई हैं जो महिमामयी आदिशक्ति का एक स्वरूप हैं। यह दीर्घकाल से जन–जन के मन में अखंड आस्था की दीपशिखा प्रज्ज्वलित करती चली आ रही हैं।जो भी श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना लेकर आता है ।

मुख्यमंत्री योगी ने लॉन्च की 6500 करोड़ की आवासीय योजना

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की अनंत नगर आवासीय योजना लॉन्च कर दी। इस योजना की लागत 6500 करोड़ रुपये है जो कि 785 एकड़ में प्रस्तावित है। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने योजना को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोहान रोड स्थित इस योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ हो गया। अनंत नगर नाम से लॉन्च हुई एलडीए की मोहान रोड योजना में कुल आठ सेक्टर होंगे। इनके नाम भी तय हो गए हैं।

इसमें आकाश खंड, आदित्य खंड, आलोक खंड, आदर्श खंड, आशीष खंड, आमोद खंड, आलेख खंड और आभास खंड होंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि चंडीगढ़ के पंचकुला की तरह मोहान रोड योजना का विकास ग्रिड पैटर्न पर किया जाएगा। योजना कलिया खेड़ा और प्यारेपुर गांव की 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही है। प्रत्येक सेक्टर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सेक्टोरल शॉपिंग सेंटर, बरात घर और वेंडिंग जोन का प्रावध ाान किया जाएगा। योजना में पांच श्रेणी के आवासीय भूखंड नियोजित किए जाएंगे। इसमें 112.50 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर, 288 वर्गमीटर व 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड शामिल हैं। ग्रुप हाउसिंग के बड़े भूखंड भी नियोजित किए जाएंगे। इसके अलावा 102 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में एजुकेशन सिटी विकसित की जाएगी।

सावरकर पर विवादित बयान देने के मामले में अदालत ने खारिज की याचिका

प्रयागराज, (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सावरकर पर कथित अपमानजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को राहत देने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी ने याचिका दाखिल करते हुए निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनको समन जारी कर जुर्माना लगाया गया था। न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उनके पास सत्र अदालत के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दाखिल करने का विकल्प है, इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत उनकी वर्तमान याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती। वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में हाजिरी माफी की अर्जी लगाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दो सौ रुपये का हर्जाना लगाया गया था। महाराष्ट्र के अकोला में सार्वजनिक मंच से वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इतना ही नहीं, राहुल ने देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान

गौरतलब है कि वादी नृपेंद्र पांडेय ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान वैमनस्यता पैदा करने के लिए किया है। अर्जी में यह भी कहा गया है कि राहुल गांधी ने वीर सावरकर को अंग्रेजों का पेंशनर समेत अन्य कई अपमानजनक बातें कहीं।

संक्षिप्त समाचार

राबड़ी आवास के बाहर लगा पोस्टर, लिखवा– ईद पर टोपी, वक्फ पर धोखा

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार पर एक नए पोस्टर हमले में, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने वक्फ संशोधन विधेयक पर उनके रुख की आलोचना की। पोस्टर में उनकी तुलना एक गिरगिट से भी की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि कुमार ने सरीसृप से भी तेजी से अपने रंग बदले हैं, जो कुमार के राजनीतिक दलों को बदलने के पिछले कृत्यों की ओर इशारा करता है। पोस्टर में कुमार को नमाज अदा करते समय मुसलमानों द्वारा पहनी जाने वाली टोपी पहने हुए भी दिखाया गया है। इसमें कहा गया है कि जेडीयू ने इफ्तार की मेजबानी की आड़ में समुदाय को धोखा दिया। आरजेडी के पोस्टर में नारा दिया गया है कि बिहार की जनता अब उन्हें सबक सिखाएगी। कथित तौर पर, यह पोस्टर आरजेडी नेता आरिफ जिलानी ने पूर्व सीएम और आरजेडी नेता राबड़ी देवी के आवास के सामने लगाया था। एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में, आरजेडी ने बिहार के सीएम को धोखेबाज कुमार करार दिया, उनकी तस्वीर को फोटोशॉप करके उन्हें आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में दर्शाया। ये पोस्टर वक्फ संशोधन विधेयक (2025) के राज्यसभा और लोकसभा में पारित होने की पृष्ठभूमि में लगाए गए हैं। विध ोयक को उच्च सदन में 128 मतों से और निचले सदन में 288 मतों से पारित किया गया। इससे पहले जेडीयू अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव शाह नवाज मलिक ने वक्फ विध ोयक को लेकर पार्टी के रुख के चलते पार्टी और अन्य पदों से इस्तीफा दे दिया था। उनके त्यागपत्र में लिखा कि, ष्हमारे जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को अटूट विश्वास था कि आप विशुद्ध धर्मनिरपेक्ष विचारध ाारा के ध्वजवाहक हैं। लेकिन अब यह विश्वास टूट चुका है। हमारे जैसे लाखों समर्पित भारतीय मुसलमान और कार्यकर्ता वक्फ विधेयक संशोधन अधिनियम 2024 के संबंध में जेडीयू के रुख से गहरे सदमे में हैं।ष एनडीए के नेतृत्व वाली केंद्र की अन्य सहयोगी पार्टियों की तरह जेडीयू ने भी संसद में विवादास्पद विधेयक का समर्थन किया।

वक्फ बिल को जबरन पारित कराने वाले सोनिया के बयान पर भड़के ओम बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को जबरन पारित कराए जाने वाले कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के बयान की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान एक वरिष्ठ सदस्य का ऐसे आक्षेप लगाना सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संसदीय लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ है। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय पार्टी (ब्च्च्) की आम सभा की बैठक में कांग्रेस की पूर्व अध यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने कहा था कि कल लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पारित हो गया और इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है। इस विध ोयक को जबरन पारित कराया गया। हमारी पार्टी का रुख स्पष्ट है। यह विधेयक संविधान पर एक हमला है। यह हमारे समाज को स्थायी रूप से ध्रुवीकृत रखने की भाजपा की सोची–समझी रणनीति का हिस्सा है। शुक्रवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष के सामने यह मुद्दा उठाया। साथ ही इस पर निर्णय देने की मांग की। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ सदस्य, जो इस सदन के सदस्य रहे हैं और वर्तमान में दूसरे सदन के सदस्य हैं, ने संसद भवन परिसर में टिप्पणी की कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को जबरन पारित किया गया। उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर लोकसभा में 13 घंटे और 53 मिनट तक बहस हुई, जिसमें विभिन्न दलों के कई सदस्यों ने भाग लिया। विधेयक पर तीन बार मत विभाजन हुआ और इसे सदन के नियमों के अनुसार पारित किया गया। इसलिए यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सदन के देर रात तक बैठने और लंबी बहस के बाद विधेयक पारित करने के बावजूद एक वरिष्ठ सदस्य सदन की कार्यवाही पर संदेह कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है। यह संसदीय लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ है।

दो साल में खाद्य पदार्थों के 348024 नमूने लिएय 44520 सैंपल फेल, वसूला 107.35 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में खाद्य पदार्थों में कई तरह की कमियां देखने को मिल रही हैं। नमूनों के विश्लेषण में गैर अनुरूपता, असुरक्षित, घटिया क्वालिटी और लेबलिंग दोष आदि बातें सामने आई हैं। दो वर्ष में खाद्य पदार्थों के 348024 नमूने लिए गए। जब इनकी जांच हुई तो इनमें से 78434 नमूनों में गैर अनुरूपता यानी कमी मिली है। अपालन करने वाले नमूनों में असुरक्षित नमूनों की संख्या 13361 रही है। निम्नस्तीय नमूनों की संख्या 44520 है। लेबलिंग दोष और भ्रामकधविविध नमूने 20553 हैं। दीवानी मामलों में दोषसिद्धि की संख्या 58050 है। वसूला गया जुर्माना 107.35 करोड़ रुपया रहा है। आपराधि ाक मामलों में दोषसिद्धि की संख्या 2349 है। वसूला गया जुर्माना 5.42 करोड़ रुपये है। वर्ष 2022–23 में 177511 नमूनों का विश्लेषण किया गया, जबकि 2023–24 में 170513 नमूनों की जांच हुई थी। लोकसभा सदस्य मालविका देवी ने गुरुवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री से पूछा था कि सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए गएध्उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उद्योगों द्वारा सब्जियों को जैविक तरीके से उगाए जाने को प्रोत्साहित किया और उसका उपयोग किया जाए। दूसरा सवाल पूछा गया कि सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए गएध्उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में प्रयुक्त चीनी की वास्तवित मात्रा और उत्पाद विशेष में मौजूद चीनी के प्रकार का भी उल्लेख हो। तीसरा सवाल था कि सरकार द्वारा ऐसी कंपनियों के विरूद्ध उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है जो बड़ी कंपनियों द्वारा बनाए गए वास्तविक उत्पादों से मिलते जुलते उत्पाद बना रही हैं और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे गांवों में बेच रही हैं। चौथा सवाल पूछा गया कि सरकार द्वारा विगत वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान इस संबंध में की गई दंडात्मक कार्रवाई का ब्यौरा क्या है और ऐसी कितनी कंपनियों को दंडित किया गया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बताया, सरकार, सभी राज्योंध्केंद्रशासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर) में परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीआई) के माध्यम से जैविक खेती और सब्जियों सहित सभी कृषि और बागवानी फसलों को बढ़ावा दे रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट (एमओवीसीडीएनईआर) योजना लागू की जा रही है। दोनों परियोजनाएं जैविक खेती में संलग्न किसानों को प्रारंभ से लेकर अंत तक अर्थात उत्पादन से लेकर फसलोत्तर प्रबंधन प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण तक सहायता पर बल देती हैं।

राज्यसभा में वक्फ बिल पर 17 घंटे-दो मिनट चर्चा - रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र के दौरान आज यानी गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने दोनों सदनों के कामकाज का ब्योरा देश के सामने रखा। उन्होंने कहा, श्कल हमने राज्यसभा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, हमने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। हमने राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर 17 घंटे और 2 मिनट तक चर्चा की। इस रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल लगता है। वक्फ संशोध ान विधेयक पर चर्चा के दौरान एक भी व्यवधान नहीं हुआ। इस दौरान किरेन रिजिजू ने कांग्रेस की पूर्व अध यक्ष सोनिया गांधी के विधेयक को जबरन पास कराने वाले बयान पर कहा, श्सोनिया गांधी एक वरिष्ठ नेता हैं, मैं उन पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। कल कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक के दौरान एक बयान जारी किया गया कि विध ोयक (वक्फ संशोधन अधिनियम) को जबरदस्ती और प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए पारित किया गया। मैंने इस पर हर स्थिति साफ की है। मैंने बताया कि इसके लिए कितनी मेहनत की गई है। हमने चर्चा का रिकॉर्ड बनाया। संसदीय इतिहास में इतनी चर्चा पहले कभी नहीं हुई। इससे पहले उच्च सदन के 267वें सत्र को संबोधित करते हुए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि सदन की अब तक की सबसे लंबी बैठक गुरुवार, 3 अप्रैल को हुई। यह 3 अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू हुई और 4 अप्रैल को सुबह 4रू02 बजे तक चली। ऊपरी सदन में रिकॉर्ड 49 निजी सदस्यों के विध ोयक भी पेश किए गए। कुल मिलाकर सदन ने कुल 159 घंटे काम किया, जिसमें आधी रात के बाद 4 घंटे से अधिक समय शामिल है। इस सत्र की उत्पादकता 119 प्रतिशत रही। इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसद के निचले सदन में 31 जनवरी को सत्र शुरू होने से लेकर अब तक 26 बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, श्हम 18वीं लोकसभा के चौथे सत्र में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ विधेयक को चुनौती देने की तैयारी कांग्रेस जल्द खटखटाएगी अदालत का दरवाजा

नई दिल्ली , (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी होने लगी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। विधेयक को शुक्रवार सुबह संसद ने मंजूरी दी थी। इसे पहले लोकसभा फिर राज्यसभा ने भी इसे मंजूरी दे दी थी। इससे पहले वक्फ विधेयक को लेकर स्टालिन ने अदालत का दरवाजा खटखटाने का एलान कर दिया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन ने गुरुवार को कहा था कि उनकी पार्टी इस विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएगी। लोकसभा से विधेयक पारित होने के विरोध में स्टालिन विधानसभा में काली पट्टी बांध ाकर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत में बड़ी संख्या में दलों के विरोध के बावजूद कुछ सहयोगियों के इशारे पर रात दो बजे संशोधन को अपनाना संविधान की संरचना पर हमला है। पर एक पोस्ट में एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, श्कांग्रेस बहुत जल्द ही वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 की संवैध ाानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।श उन्होंने कहा, श्हमें पूरा भरोसा है। हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रथाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के सभी हमलों का विरोध करना जारी रखेंगे। जयराम रमेश ने कहा कि सीएए, 2019 को कांग्रेस की ओर से चुनौती दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आरटीआई अधिनियम, 2005 में 2019 के संशोधनों को लेकर भी कांग्रेस की चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। चुनाव संचालन नियम (2024) में संशोधनों की वैधता को लेकर कांग्रेस की चुनौती पर भी सुनवाई जारी है। ऐसे ही पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की मूल भावना को बनाए रखने के लिए कांग्रेस के हस्तक्षेप पर सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित है।

शाह ने वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी की सराहना की, कहा वर्षों से जारी अन्याय खत्म होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दिए जाने से वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार समाप्त होगा तथा न्याय और समानता के युग का आरंभ होगा। शाह की यह टिप्पणी राज्यसभा द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के कुछ समय बाद आई। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विध ोयक को मंजूरी दी थी। उन्होंने सोशल मडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज एक ऐतिहासिक दिन है, जब संसद ने 'वक्फ (संशोधन) विध ोयक, 2025' को स्वीकृति देकर वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत किया है और न्याय व समानता के युग की शुरुआत की है।'' गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्ति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होने वाली हैं। इससे निश्चित ही मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''करोड़ों लोगों को न्याय देने वाले इस महत्त्वपूर्ण विधेयक के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू को बधाई देता हूं।

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, आखिरी दिन भी हुआ हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण खत्म हो गया है और दोनों ही सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के आखिरी समय के कामकाज अपने आप में ऐतिहासिक रहे। दोनों सदनों में वक्फ बिल को लेकर देर रात तक चर्चा की गई और उसे पारित किया गया जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। वकफ्फ बिल में पुराना रिकॉर्ड 1981 में 16 घंटे 51 मिनट आजमा अधिनियम पर रिकॉर्ड चर्चा की गई थी द्य और राज्य सभा में कल 17 घंटे 2 मिनट तक चर्चा की गई। जो एक एक रिकॉर्ड बन गया। संसद का बजट सत्र दो भागों में आयोजित किया गयाय यह 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और 4 अप्रैल को समाप्त हो गया। बजट सत्र के अंतिम दिन की कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा में विपक्षी दलों की ओर से नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। वहीं, कांग्रेस नेता सोनिया गांध ाी द्वारा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों के जोरदार विरोध के बीच लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा देखने को मिला। आज जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा सांसदों ने ष्सोनिया गांध ाी माफी मांगोष् के नारे लगाए। राज्यसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन,शुक्रवार को दो सदस्यों वीरेंद्र प्रसाद वैश्य तथा मिशन रंजन दास को विदायी दी गई जिनका कार्यकाल जून में समाप्त होने जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम

बिरला ने शुक्रवार को सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करते हुए कहा कि बजट सत्र के दौरान वक्फ (संशोधन) विध ोयक सहित कुल 16 विधेयक पारित किये गए। बिरला ने कहा कि सदन में केंद्रीय बजट पर चर्चा में 169 सदस्यों ने भाग लिया, वहीं सत्र के दौरान 10 सरकारी विधेयक पुररूस्थापित किये गए और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 सहित कुल 16 विधेयक पारित किये गए। उन्होंने कहा कि यह सत्र 31 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया था। इस दौरान कुल 26 बैठकें हुईं और संसदीय उत्पादकता 118ः से अधिक रही। बजट सत्र के दौरान, लोकसभा द्वारा विभिन्न मंत्रालयों के लिए अनुदान की मांगों के साथ–साथ वित्त विधेयक को मंजूरी दिए जाने के साथ सरकार ने बजटीय प्रक्रिया संपन्न कर ली।

संपादकीय

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने–अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पध र्ी–चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड–19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023–24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी–डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा।

रामो विग्रहवान् धर्म अर्थात् श्रीराम शरीर धारी धर्म हैं

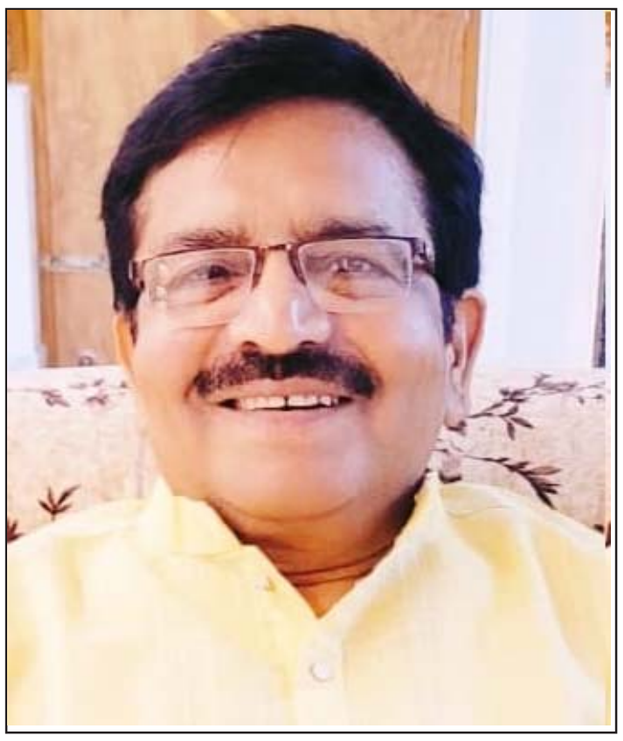

शिव शंकर द्विवेदी

व्यक्ति का जैविक प्रक्रिया के माध्यम से होता है किन्तु उसका आचरण संस्कारों पर निर्भर करता है। जैसा संस्कार मिलता है व्यक्ति स्वयं को उसके अनुरूप समायोजित कर लेता है। इसीलिए व्यक्ति के सम्बन्ध में कहा जा सकता है कि उसका एक जन्म जैविक होता है तो दूसरा जन्म वह संस्कारों के माध्यम से प्राप्त करता है। मां–पिता व्यक्ति के जैविक जनक होते हैं तो परिवार,समाज एवं उसके रहन–सहन के परिवेश उसके संस्कारों के जनक होते हैं। संस्कारी व्यक्ति, वह जीवन पथ प्राप्त करता है, जिस पर चलकर कोई भी अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है और लक्ष्य से उसका साक्षात्कार होता है। लक्ष्य की ओर उन्मुख करनें वाले संस्कार मानव समाज को एक या दो दिन की जीवन यात्रा में नहीं मिले हैं। अपेक्षित संस्कारों को मूर्त रूप देने के लिए मनुष्यों ने हजारों वर्षों की जीवन यात्राएं पूर्ण किया है तभी तो मनुष्य, बंदर से मनुष्य हो सके हैं। मनुष्य के रूप में भी उनकी यह यात्रा अभी भी अन्तिम पड़ाव पर नहीं पहुंच सकी है। अभी मनुष्यों को देवत्व प्राप्त करना है।देवत्व का मतलब यह नहीं है कि उनके चार हाथ हो जाएंगे। देवत्व का मतलब आचरण की उस सोच के साथ होना या जीवन जीना है जब मानव गण स्वयं विधायक बनने की क्षमता प्राप्त कर लें। स्वयं विधायक का अर्थ है कि,मानव समुदाय अपने आचरण में उन नियमों एवं पद्धतियों को शामिल कर ले जिससे मानव समाज के लोगों का जीवन पथ यशोमय आनन्द की ओर उन्मुख हो सके।

व्यक्ति को संस्कारी बनाने के उद्देश्य से समाज में रह रहे चिन्तकों,नीतिनिर्धारकों आदि का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसके लिए समय–समय पर हमारे समाज में चिन्तकों,जीवन–पथ–प्रदर्शकों एवं समाज सुधारकों का आविर्भाव हुआ है। इन लोगों ने उन अनुकरणीय जीवन पद्धतियों को जीवन की प्रक्रिया में शामिल करने के लिए लोगों को प्रेरित किया है जिनसे सब का जीवन पथ यशोमय आनन्द के साथ व्यतीत हो सके और उन आचरण पद्धतियों से विरत रहने का भी परामर्श दिया है जिनसे असमानता एवं कलह –पूर्ण समाज का जन्म होता है।इन लोगों ने समझाया है कि कलह कारक रास्तों से बचकर के ही वैयक्तिक एवं सामाजिक जीवन में यशोमय आनन्ददायक पथ प्राप्त किया जा सकता है।

प्रभु श्री राम का अवतरण इस दृष्टि से आज भी स्मरणीय है कि उन्होंने अपने जीवन–आचरण से मानव समाज के लिए एक आदर्श जीवन पद्धति प्रस्तुत किया है जिसका आचरण उन्होंने स्वयं अपने जीवन काल में किया था। आचरण वही स्वीकार्य होता है जो यथार्थ परक हो अर्थात जिसका आचरण किया जा सकता हो।

मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षण बताए गए हैं – धृति,क्षमा,दम,अस्तेय,शुचिता,इन्द्रिय निग्रह,बुद्धिमत्ता,ज्ञान,सत्य और अक्रोध–

धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचामिनिद्रियानिग्रह।

धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकम् धर्मलक्षणम्।।

यदि हम श्रीराम के आचरण का स्मरण करें तो कह सकते हैं कि मनु के आचरणीय सिद्धांतों का अक्षरशः पालन श्रीराम ने किया था और इस प्रकार से श्रीराम ने यह समझाया है कि एक स्वस्थ समाज के लिए जो अपेक्षित है यदि व्यक्ति चाहे तो उसका आचरण कर सकता है

जब हम श्री राम के संदर्भ में विचार करते हैं तब रावण का स्मरण प्रसंग वश हो जाता है। रावण आनन्द के लिए जीता था। आनन्द के लिए जीना उसका धर्म था,किन्तु श्रीराम ने यशोमय आनन्द के लिए जीवन जिया था। इस प्रकार से यशोमय आनन्द के लिए जीवन जीना श्री राम का धर्म था। यहीं पर हम अपने जीवन के लक्ष्य का चयन करने में सुविधाजनक स्थिति का पता लगा सकते हैं कि हम जीवन के लक्ष्य की परिधि में आनन्द को केंद्र में रखें या यशोमय आनन्द को ?

हम रावण से घृणा क्यों करते हैं? क्योंकि रावण अपने आनन्द के लिए दूसरों के आनन्द की परवाह ही नहीं करता था अपितु दूसरों को कष्ट देकर के भी वह आनन्द प्राप्त करने में संकोच नहीं करता था जबकि,श्रीराम दूसरों के आनन्द के लिए व्यक्तिगत स्तर पर कष्टमय जीवन जीने के लिए भी तैयार हो गए थे।यही कारण है कि हम श्रीराम की पूजा आज भी करते हैं क्योंकि उनके आचरण में परहित शामिल था। समाज की खुशी के लिए,राजत्त्व की प्रतिष्ठा के लिए एवं व्यवस्था की स्थापना के लिए श्रीराम ने कष्ट सहकर के 14 वर्षों का समय जंगल में व्यतीत ही नहीं किया अपितु दुर्दान्त राक्षसों के साथ युद्ध करके उन्हें समूल नष्ट भी किया जिसका परिणाम हुआ कि तत्समय समाज से अव्यवस्थाकारी शक्तियों का उन्मूलन हो गया था।

अतीत की अनेक घटनाओं से स्पष्ट है कि जब हमारे जीवन का लक्ष्य आनन्द होगा तब आसुरी या अव्यवस्थाकारक मनोवृत्तियों को पल्लवित,पुष्पित और फलीभूत होने का अवसर मिलेगा इसका परिणाम होगा कि समाज के कमजोर लोग अपने आनन्द से वंचित हो जाएंगे किन्तु यदि यशोमय आनन्द, जीवन के लक्ष्य में शामिल होगा तब सभी लोगों को अपने आनन्द के उपभोग का अवसर मिलेगा।यही कारण है कि हमारे आदर्श आज भी श्रीराम ही हैं न कि महापंडित महा प्रतापी लंकाधिपति रावण।

श्रीराम की जीवन पद्धति को समाज के लिए उपयोगी समझ कर ही कहा गया है कि रामो विग्रहवान् धर्म अर्थात् श्रीराम शरीर धारी धर्म हैं।

हमें जीवन के लक्ष्य की परिधि में यशोमय आनन्द को रखना है तो रावण के आचरण से बचते हुए श्रीराम के आचरण को जीवन के आचरण में शामिल करना होगा। जब श्रीराम के जीवन आचरण को अपने जीवन आचरण में उतारेंगे तभी श्रीराम के भक्त हो सकेंगे न कि श्रीराम की प्रतिमा मंदिरों में स्थापित कर षोडशोपचार विधि से पूजन करके श्रीराम के भक्त होने का आनन्द प्राप्त कर सकेंगे।हम श्रीराम के आचरण को अपने जीवन में उतार सकें,श्रीराम के जन्मदिन पर यही कामना है। प्रभु श्री राम कामना पूर्ण करें।

अजान संग घंटियों की आवाजों का संदेश

विवेक

कश्मीर घाटी में ईद और कश्मीरी हिन्दुओं के नूतन वर्ष नवरेह धूमधाम से मनाए जाने की खबरें सुखद हैं। दरअसल, कश्मीर में यह नया बदलाव एक दिन में नहीं आया है, इसके लिए केन्द्र सरकार की सरपरस्ती में दीर्घकालीन नीति पर काम किया गया है। सबसे पहले कश्मीर की शांति के लिए नासूर बने मुद्दों की पहचान की गई, कश्मीर की बर्बादी के लिए जिम्मेदार वंशवाद की राजनीति पर प्रहार किया गया, मस्जिदों से संचालित हो रहे आतंकवाद और कथित जिहाद को समाप्त किया गया, नीतियों में अकर्मण्यता और जड़ता को खत्म किया गया और जनता द्वारा चुने गए स्थानीय शासन की पद्धति को बहाल किया गया। कौन नहीं जानता कि लंबे समय तक अशांति, देश विरोधी ताकतों और पत्थरबाजी के कारण कश्मीर घाटी जलती रही। सबसे अहम बात यह है कि कश्मीर में आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के हताहत होने की संख्या में भारी गिरावट आई है। वर्ष 2004 और 2014 के बीच, जम्मू और कश्मीर में 7,217 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईंय 2014 और 2024 के बीच, यह संख्या घटकर 2,242 रह गई। आतंकी हमलों के कारण नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या आधी हो गई है। ये आंकड़े सिद्ध करते हैं कि कश्मीर अब देश की मुख्य धारा से जुड़ चुका है। राज्य में विकास परियोजनाओं के दो प्रकार के लाभ हो रहे हैं। पहला– राज्य में सड़कों, सेतुओं, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों का निर्माण हो रहा है। यानी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भरपूर काम हो रहा है। दूसरा– केन्द्र सरकार की परियोजनाओं से हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

..... स्वास्थ्य .....

घर में कभी नहीं आएगी आर्थिक तंगी बस इन दो पौधों को रखें एक साथ

वास्तु शास्त्र, हमारे घर और जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए दिशा, स्थान, और वास्तु के महत्व को समझाता है। खासकर अगर हम अपने घर में कुछ खास पौधे रखें, तो यह न सिर्फ वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि हमारी आर्थिक स्थिति और जीवन को भी बेहतर बना सकते हैं। तुलसी और साथ रखने से घर में पॉजिटिव एनर्जी लाता है। यह घर की आर्थिक स्थिति को बेहतर करता है और ध ान की कमी को दूर करने में मदद करता है। मनी प्लांट को तुलसी के पास रखने से दोनों पौधों की एनर्जी मिलकर घर में दरिद्रता और गरीबी को दूर करती है।

स्वास्थ्य में लाभ

स्वास्थ्य में सुधार होता है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं।

पारिवारिक खुशहाली

तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से परिवार के बीच प्रेम और शांति बढ़ती है। यह घर में शांति और खुशी का माहौल बनाता है, जिससे परिवार में रिश्तों में मिठास और समझ बढ़ती है। यह दोनों

मनी प्लांट का सही स्थान पर होना भी इसी प्रकार के लाभों से जुड़ा हुआ है।

तुलसी के पास मनी प्लांट एक साथ रखने के फायदे

आर्थिक स्थिति में सुधार

तुलसी और मनी प्लांट को एक

मनी प्लांट और तुलसी दोनों ही पौधे घर में ताजगी और शुद्ध हवा लाते हैं। मनी प्लांट वायु में नमी को बनाए रखने में मदद करता है, जबकि तुलसी के पत्ते प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। इससे घर में हवा शुद्ध रहती है, जिससे पौधे घर के वातावरण को संतुलित और सकारात्मक बनाते हैं।

नेगेटिव एनर्जी का नाश

तुलसी और मनी प्लांट मिलकर घर में नेगेटिव एनर्जी को दूर करने में मदद करते हैं। अगर घर में किसी तरह की अनहोनी या नेगेटिव स्थिति हो, तो तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से माहौल में बदलाव आता है और नेगेटिविटी दूर होती है।

कर्ज से छुटकारा

अगर आपके ऊपर कर्ज का बोझ है, तो मनी प्लांट और तुलसी के संयोजन से घर में समृद्धि आती है और यह कर्ज चुकता करने में भी मदद करता है। यह पौधे आर्थिक दृष्टि से सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और कर्ज चुकाने में मदद कर सकते हैं।

तुलसी और मनी प्लांट का वास्तु शास्त्र में महत्व

तुलसी का महत्वरू तुलसी को भारतीय घरों में धार्मिक और वास्तु शास्त्र के हिसाब से बहुत शुभ माना जाता है। यह न केवल घर के वातावरण को शुद्ध करती है, बल्कि घर में सुख–शांति और पॉजिटिव एनर्जी का संचार भी करती है। तुलसी का पौधा घर में होने से दरिद्रता और नेगेटिविटी दूर रहती है। इसे भगवान विष्णु की प्रिय माना जाता है, और इसके पास रोजाना से दीपक जलाना और पूजा करना एक शुभ संकेत है।

मनी प्लांट का महत्वरू मनी प्लांट को वास्तु शास्त्र में समृद्धि और सुख–समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाने से धन, खुशहाली और सफलता का आशीर्वाद मिलता है। मनी प्लांट को वास्तु के अनुसार दक्षिण–पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह दिशा धन और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। अगर मनी प्लांट तुलसी के पास रखा जाए तो यह दोनों ही पौध ो मिलकर घर में समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी आती हैं।

इन पौधों का सही स्थान और देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि आप इन पौधों के पूरे लाभ का अनुभव कर सकें। यह दोनों पौधे घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करते हैं और दरिद्रता को दूर रखते हैं।

करीना कपूर की तरह 40 प्लस उम्र की महिलाएं सुंदर दिखना चाहती हैं तो रोज खाएं ये चीजें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाओं के पास खुद पर ध्यान देने का समय कम होता है, जिसकी वजह से वे समय से पहले ही अपनी असल उम्र से ज्यादा उम्र की लगने लगती हैं। यदि आप भी करीना कपूर की तरह जवां और ग्लोइंग दिखना चाहती हैं तो आपको अपनी डाइट में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए, जो कोलेजन को तेजी से बढ़ाने में मदद करें।

40 प्लस उम्र में कोलेजन की कमी और उसका असर

40 के आसपास आते ही महिलाओं के शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन धीरे–ध ीरे कम होने लगता है, जिससे स्किन ढीली पड़ने, झुर्रियां आने और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। इस समय में अगर आप करीना कपूर जैसी दमकती त्वचा चाहती हैं, तो कुछ खास फूड आइटम्स अपनी डाइट में शामिल करना बेहद जरूरी है, जो कोलेजन को बढ़ाएं और स्किन को हेल्दी बनाए रखें।

कोलेजन बढ़ाने के लिए फूड्स

सोया प्रोडक्ट्स

सोया प्रोडक्ट्स, जैसे टोफू और सोया मिल्क में फाइटोएस्ट्रोजेन और प्रोटीन भरपूर होते हैं, जो कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं। 40 प्लस महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे स्किन ढीली पड़ने लगती है। सोया खाने से स्किन में इलास्टिसिटी बनी रहती है और झुर्रियां कम होती हैं।

अखरोट और बादाम

अखरोट और बादाम में ओमेगा–3 फैटी एसिड, विटामिन म और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कोलेजन को टूटने से बचाते हैं। इनका सेवन स्किन को रिपेयर करता है और एजिंग प्रोसेस को धीमा करता है। रोजाना भीगे हुए बादाम और अखरोट खाने से त्वचा टाइट और मुलायम बनी रहती है, जिससे नैचुरल ग्लो आता है।

तिल और अलसी के बीज

तिल और अलसी के बीज में लिग्नान, हेल्दी फैट और ओमेगा–3 फैटी एसिड होता है, जो स्किन को गहराई से पोषण देते हैं। इन बीजों में जिंक भी पाया जाता है, जो कोलेजन प्रोडक्शन के लिए जरूरी है। इन बीजों को सलाद, स्मूदी या हल्का भूनकर खाने से स्किन यंग दिखती है और झुर्रियां देर से आती हैं।

पपीता और गाजर

पपीता और गाजर में विटामिन ब्, बीटा–कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कोलेजन बूस्ट करने में मदद करते हैं। ये स्किन को डैमेज होने से बचाते हैं और टिशू रिपेयर को तेज करते हैं। इनका रोजाना सेवन करने से त्वचा हेल्दी बनी रहती है, झाइयां कम होती हैं और स्किन टाइट रहती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों में क्लोरोफिल, आयरन और विटामिन ब् होता है, जो शरीर में कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं। ये स्किन को फ्री रेडिकल्स से बचाती हैं और उम्र बढ़ने के असर को कम करती हैं। रोज पालक, ब्रोकली और मेथी जैसी सब्जियों का सेवन करने से स्किन में नैचुरल बाउंस और चमक बनी रहती है।

क्या न खाएं?

कोलेजन प्रोडक्शन को नुकसान पहुंचाने वाली चीजों में ज्यादा चीनी और प्रोसेस्ड फूड शामिल हैं। हाई–शुगर डाइट से ग्लाइकेशन नाम की प्रक्रिया होती है, जो स्किन को सख्त और झुर्रियों से भर देती है। इसलिए जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक्स और मीठे फूड्स को कम से कम खाएं, ताकि स्किन हेल्दी बनी रहे।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

अच्छी नींद, नियमित एक्सरसाइज और स्ट्रेस कम रखना भी कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए जरूरी है। योग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज से स्किन हेल्दी रहती है और एजिंग प्रोसेस ध ीमा होता है। साथ ही, ग्रीन टी, विटामिन ब् सीरम और हाइड्रेटिंग स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से स्किन टाइट और ग्लोइंग बनी रहती है।

इन डाइट टिप्स और जीवनशैली को अपनाकर आप 40 के बाद भी अपनी त्वचा को जवां और ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं, ठीक वैसे जैसे करीना कपूर हमेशा दिखती हैं।

21 दिन से लापता बालक की निर्मम हत्या, कंबाइन मशीन में टुकड़ों में मिला शव

लखनऊ, (संवाददाता)। हरदी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात गेहूं कटाई के समय कंबाइन मशीन में कुछ फंसने से मशीन रुक गई। खेत स्वामी और मशीन संचालक ने जब मशीन देखी तो उनके होश उड़ गए। मशीन में किसी बालक के शव के टुकड़े फंसे थे। शव के टुकड़े देख खेत स्वामी ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जब छानबीन की तो वो टुकड़े 21 दिन से लापता चल रहे 10 वर्षीय बालक मोनू के निकले। शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहरे मच गया। हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरायपुर निवासी विजय शंकर राव बृहस्पतिवार की रात अपने गेहूं के फसल की कंबाइन मशीन से कटाई करवा रहे थे। इस दौरान कंबाइन मशीन में शव के टुकड़े फंसने से मशीन रुक गई। विजय शंकर ने जब मशीन के अगले हिस्से में जाकर देखा तो एक बालक के शव के टुकड़े फंसे थे। विजय शंकर ने तत्काल इसकी सूचना प्रधान प्रतिनिधि आलोक कुमार को दी। सूचना पर आलोक कुमार और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी संजय सिंह ने कंबाइन मशीन और खेत से शव के अवशेष इकठ्ठा किए और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। बालक का शव मिलने की सूचना थाना प्रभारी संजय सिंह ने 21 दिन से लापता मोनू (10) के पिता गोपाल को दी। सूचना पर पहुंचे गोपाल ने जैसे ही कपड़े देखे वो बिलख पड़ा। उन्होंने क्षत विक्षत शव की पहचान 21 दिन से लापता अपने बेटे मोनू के रूप में की। मोनू का शव मिलने की सूचना से मोनू के घर पर भी कोहराम मच गया। ग्रामीणों के अनुसार गेहूं के खेत में कहीं भी खून के धब्बे या खून नहीं मिला जबकि शव टुकड़ों में था। ऐसे में ये आशंका है कि बालक की हत्या कहीं और की गई थी और शव को गेहूं के खेत में फेंक दिया गया। बालक का शव मिलने के बाद हरदी पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लग रहा है। ग्रामीणों का कहना होलिका दहन के मोनू (11) लापता हुआ था जिसके बाद से परिजन हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस के पास दौड़ रहे थे लेकिन पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी एसपी से शिकायत के बाद दर्ज की। वहीं आरोप है कि पुलिस ने बालक की सही से तलाश नहीं की। अगर पुलिस समय से पड़ताल करती तो बालक की जान बच जाती। गोपाल के पहली पत्नी का बेटा मोनू ग्रामीणों ने बताया कि मोनू के पिता गोपाल यादव की दो शादियां हुई थीं। पहली पत्नी कुसमा से बेटा सोनू (15) और दूसरी पत्नी नीलम से मोनू (11) और स्वाति (13) है। दूसरी पत्नी नीलम लखनऊ में अपने दोनों बच्चों के साथ रहती थीं। दो साल पहले गोपाल लखनऊ गया था और मोनू को अपने पास गांव ले आया था। जिसके बाद से मोनू यही रहता है। थाना प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर जांच की है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाए।

यूपी में नई वक्फ नियमावली बनाएगी सरकार, संशोधित एक्ट के मुताबिक बनेंगे बोर्ड... पर यहां फंसेगा पेंच

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में संशोधित वक्फ कानून के मुताबिक नई नियमावली शीघ्र बनाई जाएगी। संशोधित कानून के तहत वक्फ बोर्डों का गठन होगा। 6 माह के भीतर सभी संपत्तियां वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन की जाएंगी लोकसभा में पास वक्फ बिल के आधार पर यूपी में संशोधन किए जाने पर विचार शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि यूपी का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग शीघ्र ही वक्फ से संबंधित नई नियमावली को प्रस्तावित कर देगा। इस पर अंतिम मुहर सरकार लगाएगी। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों को लेकर काफी विवाद है। उच्चस्तरीय सरकारी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जिन संपत्तियों को वक्फ के रूप में दर्ज कर लिया गया है, उनमें से 57792 संपत्तियां सरकारी हैं। शत्रु संपत्तियों और निजी भूमि को भी वक्फ के रूप में दर्ज कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि वक्फ के नाम पर किसी संपत्ति को नहीं हड़पने दिया जाएगा। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय एक्ट में किए गए संशोधनों पर मंथन किया जा रहा है। इसके लिए यूपी को अपनी मौजूदा नियमावली में बदलाव करना होगा। जिलाधिकारी के बढ़ाए गए अधिकारों को इस नियमावली में स्थान दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश की तैयारी है कि जैसे ही केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों को दर्ज करने के लिए पोर्टल की व्यवस्था प्रारंभ करें, उसके 6 माह के भीतर यूपी की सभी वक्फ संपत्तियों को ऑनलाइन कर दिया जाए। हालांकि, पेंच उन संपत्तियों पर फंसेगा, जो अभी राजस्व रिकॉर्ड में बतौर वक्फ संपत्ति दर्ज नहीं हैं। यहां बता दें कि शिया व सुन्नी वक्फ बोर्डों में दर्ज 98 फीसदी संपत्तियां राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। दोनों बोर्डों के अनुसार प्रदेश में कुल 132140 वक्फ संपत्तियां हैं। यूपी सरकार उन अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है, जिन्होंने अवैध रूप से सरकारी या निजी भूमि को वक्फ के रूप में खतौनी में दर्ज किया है। सभी जिलों को ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों को चिन्हित कर रिपोर्ट भेजने के लिए कहा गया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जो जिलाधिकारी यह रिपोर्ट भेजने में देरी करेंगे, उनके जवाबदेही भी तय होगी।

संक्षिप्त समाचार

टोल प्लाजा पर पलटी बस... चालक सहित कई यात्री चोटिल, बड़ा हादसा टला

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ से अयोध्या जा रही अवध डिपो की बस शुक्रवार दोपहर हाईवे के अहमदपुर टोल प्लाजा की लेन नंबर नौ के पास पलट गई, जिसमें चालक साहित कई यात्री चोटिल हुए है। बस में कुल 25 यात्री सवार थे। परिचालक देवनारायण और एक यात्री को

ज्यादा चोट आई है, जिनको जिला अस्पताल लाया गया। चालक मनोज कुमार ने बताया कि ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ। मौके पर पहुंची जैदपुर पुलिस ने यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया। क्रेन मंगवाकर बस को लेन से हटाया गया। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख–पुकार मच गई।

48 घंटे बाद भी शुरू नहीं हुए जिले के अंदर तबादले के आवेदन, दो अप्रैल से होनी थी शुरुआत

लखनऊ, (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों में लंबे समय बाद शुरू होनी वाली परस्पर तबादले की प्रक्रिया विभाग के अधिकारियों की हीलाहवाली से अटकी पड़ी है। 48 घंटे बाद भी ऑनलाइन आवेदन शुरू नहीं होने से शिक्षक काफी परेशान हैं। गौरतलब है कि मार्च में बेसिक शिक्षा परिषद ने आदेश जारी किया गया कि एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले के लिए आवेदन एक से 11 अप्रैल और जिले के अंदर परस्पर तबादले के लिए आवेदन दो से 11 अप्रैल तक होंगे। इस क्रम में एक से दूसरे जिले के लिए आवेदन तो शुरू हो गए, लेकिन दो अप्रैल से शुरू होने वाले जिले के अंदर तबादले के आवेदन अभी तक शुरू नहीं हो सके हैं। इसके लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन वह भी कोई जवाब नहीं दे रहे। वहीं जिले के अंदर तबादले के लिए आवेदन 11 अप्रैल तक लेकर प्रक्रिया 18 मई तक पूरी करनी है। जिससे गर्मी की छुट्टियों में शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जा सके। उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष निर्भय सिंह ने कहा कि शिक्षकों के लिए ट्रांसफर का लिंक अभी तक जारी नहीं हुआ है। इसे जल्द जारी किया जाए और शिक्षकों को अतिरिक्त अवसर भी दिया जाए। वहीं उप्र बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि शिक्षक दिनभर वेबसाइट ही चेक कर रहे हैं। यह शिक्षकों के साथ धोखा है। बेसिक शिक्षा परिषद इस प्रक्रिया को जल्द शुरू कराए।

जांच में लापरवाही उजागर, निरस्त होगा मुमताज अनाथालय का पंजीकरण

लखनऊ, (संवाददाता)। मुमताज अनाथालय से किशोर के भागने के मामले की विभागीय जांच में बड़ी लापराही उजागर हुई है। इसके चलते अनाथालय का पंजीकरण निरस्त किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने इसकी कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर, पुलिस की तीन टीमें किशोर की तलाश में जुटी हैं। बाल कल्याण समिति के आदेश पर 29 जनवरी को राजकीय बालगृह मोहान से 12 वर्षीय संवासी को अनाथालय लाया गया था। उसके साथ छह और बच्चे भी आए थे। 28 मार्च की सुबह करीब चार बजे संवासी अनाथालय की बाउंड्री कूदकर भाग निकला था। मामले में सहायक प्रबंधक अदील अहमद सिद्दीकी ने थाने में केस दर्ज कराया था। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि वह जांच के लिए मौके पर गए थे। अनाथालय प्रशासन की लापरवाही से किशोर भागा है, इसलिए सख्त कार्रवाई होगी। इसका पंजीकरण निरस्त कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इंस्पेक्टर सुनील कुमार आजाद के मुताबिक अनाथालय के गेट पर लगा सीसीटीवी कैमरा सात दिनों से बंद था। वहां बने कंट्रोल रूम के कर्मचारी छुट्टी पर हैं। वहां ताला लगा हुआ है। कर्मचारियों के आने पर ही अन्य जगहों पर लगे कैमरों की फुटेज देखी जा सकेगी। जानकारी के मुताबिक किशोर को इसका पता था कि अनाथालय के गेट पर लगा कैमरा बंद है। अमीनाबाद में मुमताज अनाथालय का संचालन अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन संस्था के तहत होता है।

50 एमबीबीएस डॉक्टरों की होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वास्थ्य विभाग जल्द 50 एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती करेगा। इससे सरकारी अस्पतालों में खाली पड़े इमरजेंसी मेडिकल अफसरों के पद भरे जाएंगे। इसके अलावा पीएचसी व हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर भी डॉक्टरों को भेजा जाएगा। विभाग के अफसरों ने डॉक्टरों की भर्ती के लिए डीएम से अनुमोदन ले लिया है।

मुंबई के विमान में मच्छरों का आतंक, शिकायत

लखनऊ, (संवाददाता)। मुंबई से आ रही उड़ान में मच्छरों से परेशान यात्रियों ने शिकायत की है। इससे पहले 31 मार्च को चेन्नई की फ्लाइट में भी यात्रियों ने अमौसी एयरपोर्ट पर शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इंडिगो की फ्लाइट 6ई–643 मुंबई से रोजाना सुबह पौने पांच बजे उड़ान भरकर अमौसी सुबह 6रू50 बजे पहुंचती है। इसमें सफर करने वाले दिलीप की ओर से शिकायत की गई कि सुबह की फ्लाइट ने जैसे ही उड़ान भरी, मच्छरों ने काटना शुरू कर दिया। सभी यात्री मच्छरों से परेशान दिखे। इसकी शिकायत क्रू से की गई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। विमान की अन्य यात्री प्रिया राजपाल ने घटना का वीडियो बनाकर इंडिगो एयरलाइंस से शिकायत की है।

भूमाफिया के खिलाफ भाजपाइयों, किसानों का धरना

लखनऊ, (संवाददाता)। ट्रांसपोर्टनगर में भूमाफिया से परेशान भाजपा कार्यकर्ता और किसान बृहस्पतिवार को धरने पर बैठ गए। एसडीएम और एसीपी कृष्णानगर ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब धरना खत्म किया। किसानों ने कहा, बेहसा में रहने वाली विधवा रघुराई की पुश्तैनी जमीन पर भूमाफिया कब्जा करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसमें पुलिस और प्रशासन के लोगों की मिलीभगत है। शिकायत के बावजूद तहसील अधिकारियों ने सुध नहीं ली। चंद्रावल स्थित लक्ष्मण खेड़ा की विधवा विमलेश की पुश्तैनी जमीन पर भी फर्जी कब्जा दिखाकर तहसील कर्मियों की साठगांठ से बिना डीएम की अनुमति के जमीन बेच दी गई और उसमें पेट्रोल पंप लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया। सुनील कुमार की पुश्तैनी जमीन पर भी फर्जी कब्जा दिखाकर तहसील कर्मियों ने अवैध पट्टा करके दूसरे की मदद करने की कोशिश की। सुनवाई न होने की वजह से वह धरने पर बैठे। सरोजनीनगर एसडीएम सचिन वर्मा और एसीपी कृष्णा नगर विकास पांडेय ने एक हफ्ते में समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

चार माह बीते, नहीं तय हुई आयुष डॉक्टरों की भर्ती की तारीख

लखनऊ, (संवाददाता)। सरकारी अस्पतालों में 21 आयुष डॉक्टरों की भर्ती स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती भरी है। अफसर चार महीने बाद भी वॉक इन इंटरव्यू की तारीख तक तय नहीं कर पाए हैं। एक पद पर सौ से अधिक उम्मीदवार हैं। सरकारी अस्पतालों की आयुष यूनिटों में डॉक्टर नहीं है। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने बीते साल जिले में 21 आयुर्वेद डॉक्टरों की भर्ती का फैसला लिया था।

कार्यालय ग्राम पंचायत पारापट्टी, विकास खण्ड–कंरजाकला, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0/ दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.04.2025 से 12.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 13.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — सुवाष राय

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — विश्राम विन्द

कार्यालय ग्राम पंचायत राजेपुर प्रथम, विकास खण्ड–धर्मापुर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0/ दिनांक – 02.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.04.2025 से 12.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 13.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — मनोरमा सिंह

ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम सचिव — अखिलेश कुमार

जुमे की नमाज को लेकर बढ़ी सुरक्षा, सीतापुर मे 250 लोग पाबंद, ड्रोन से की जा रही निगरानी

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल के पास होने के बाद जुमे की नमाज को लेकर प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लखनऊ में ड्रोन की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, सीतापुर में 250 लोगों को पाबंद किया गया है। लखनऊ में कड़ी सुरक्षा के बीच पुराने लखनऊ और बड़ा इमामबाड़ा पर नमाज अदा की गई। जेपीसी कानून व्यवस्था बब्लू कुमार ने कहा है आज का दिन पूरी शांति और व्यवस्था से गुजरे इसके लिए प्रशासन ने पूरे इंतजाम किए हैं। लखनऊ में सुरक्षा के लिए 10 कंपनी पीएसी और एक कंपनी आरएएफ उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि हमने ईद पर सुरक्षा के लिए जो इंतजाम किए थे और जनता से संपर्क किया था ठीक उसी फार्मेट पर आगे भी काम किया गया। कहीं पर कोई तनाव की स्थिति नहीं है। लोगों के साथ सामंजस्य बनाकर हम सभी कार्यक्रमों को सम्पन्न करा रहे हैं।संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कई जगहों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। संसद में बिल को मिली मंजूरी

वक्फ संशोधन बिल को संसद में पास कर दिया है और अब कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। इस बिल पर समाज के कुछ हिस्सों में विरोध है जिसे लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। केंद्र की भाजपा सरकार का दावा है कि यह बिल मुसलमानों के हित में है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि वक्फ के काम में पारदर्शिता आए। इसका मूल मकसद वक्फ संपत्ति का रखरखाव करना है। विधेयक के खिलाफ जो भ्रम फैलाया जा रहा है, उसका विरोध ा करता हूं। बिल को लेकर 2013 में बनी जेपीसी में सिर्फ 13 सदस्य थे, अब इस बिल को लेकर बनी जेपीसी में 31 सदस्य थे।

मोबाइल एप से बिजली बिल का भुगतान होगा सरल और सुरक्षित

लखनऊ, (संवाददाता)। पॉवर कॉर्पोरेशन ने ऑनलाइन बिजली बिलों का भुगतान करना आसान और सुरक्षित कर दिया है। अब उपभोक्ता मोबाइल एप से बिल जमा करने के दौरान सिर्फ यूपीपीसीएल, जिले का नाम और उपभोक्ता खाता संख्या के जरिये यह सुविधा हासिल कर सकेंगे। नई सुविधा मई से उपभोक्ताओं को हासिल होगी। पहले मोबाइल एप में डिस्कॉम (पूर्वांचल वाराणसी, मध्यांचल लखनऊ, पश्चिमांचल मेरठ, दक्षिणांचल आगरा और केस्को कानपुर का चयन) को चुनना पड़ता था। इस व्यवस्था में डिस्कॉम के चयन में चूक होने पर समान खाता संख्या वाले उपभोक्ता के बिल की रकम दूसरे उपभोक्ता के खाते में जमा हो जाती थी। ऐसे उपभोक्ताओं को रकम का अपने बिल में समायोजन कराने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसे देखते हुए प्रबंधन ने व्यवस्था में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में डिस्कॉम चयन में उपभोक्ता से गलती की ।

'2143 आवेदकों के खातों में भेजा गया, 4,28,60,000 रूपया:–विनीत कुमार तिवारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' शनिवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विनीत कुमार तिवारी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत अन्य पिछड़े वर्ग के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले व्यक्तियों की बेटियों के शादी अनुदान योजना के तहत जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन के उपरान्त 2143 पात्र आवेदकों के बैंक खातों में रू0–20,000ध्– प्रति आवेदक की दर से रू0–4,28,60,000/– मात्र की धनराशि ई–कुबेर (कोषागार) के माध्यम से भेज दी गयी है। तिवारी जी ने कहा है कि शादी अनुदान योजना का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए जनसेवा केन्द्र के माध्यम से आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र, आधार एवं शादी कार्ड तथा हाई स्कूल अंक पत्र के साथ ऑनलाइन आवेदन करें तथा हार्ड कापी शहरी क्षेत्र के लोग तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोग विकास खण्ड कार्यालय में जमा करें और शादी के समय कन्या की आयु 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है।

'ब्लाक स्तर पर लू से बचाव हेतु पर्याप्त व्यवस्थायें की जायें –सौम्या गुरूरानी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये है कि ब्लाक स्तर पर लू प्रकोप से बचाव हेतु ग्रामीण क्षेत्र में अव्यवस्थित सभी पेयजल स्त्रोतों को सुव्यवस्थित एवं संचालित रखें तथा कोई भी हैण्ड पम्प रिबोर या मरम्मत योग्य है उसे तत्काल ठीक कराये तथा स्वयं सहायता समूहों, एनजीओ व संभ्रान्त व्यक्तियों, व्यापारियों आदि के सहयोग से अव्यवस्थित बस स्टाप, बाजार, बैंक, ब्लाक, सीएचसी, पीएचसी के बाहर जहां लोगों का अधिक आवागमन रहता है

वहां पर निःशुल्क प्याऊ की व्यवस्था कराने के साथ ही मनरेगा के तहत चल रहे कार्य स्थलों पर श्रमिकों के लिए छाया एवं पेयजल की व्यवस्था के साथ श्रमिकों के कार्य के घंटे इस प्रकार करायें कि प्रातः कार्य जल्दी प्रारम्भ कराये और तापमान बढ़ने पर कार्य रोक दिया जाये और अपराह्न बाद तापमान घटने पर कार्य चालू करायें ताकि श्रमिकों का लू से बचाव भी हो और कार्य का समय भी पूर्ण हो जायें। सीडीओ ने कहा कि लू प्रकोप मानव के साथ पशु, पक्षी को काफी प्रभावित करते है

, इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के अव्यवस्थित तालाब नहरों एवं नलकूपों के पास है उन्हें उनसे भरवाये और शेष तालाबों को ग्राम पंचायत के निजी नलकूपों से भरवाना सुनिश्चित करें ताकि पशु, पक्षियों को भी पानी आसानी से मिल सके। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक भीड़– भाड़ वाले स्थानों पर हीट वेव के समय क्या करें व क्या न करें से संबंधित प्रचार प्रसार के लिए पम्पलेट बटवायें व पेन्ट कराने के साथ आग लगने की घटनाओं की जानकारी के लिए जगह–जगह फायर ब्रिगेट का हेल्प लाइन नम्बर भी पेन्ट करायें और अग्निकांड की घटनाओं से निपटने के लिए पानीध्रेत आदि की प्राथमिकता पर व्यवस्था कराये ताकि फायर ब्रिगेट के पहुंचने से पूर्व आग पर प्राथमिक नियंत्रण पाते हुए नुकसान से बचा जाये तथा किसानों को रवी फसल अवशेष जलाने से मना करायें एवं ग्रामीण अंचलों में संचालित गौशालाओं में गौवंशों को गर्मी व तपन से बचाने के लिए शेड के ऊपर पुआल आदि डालकर पानी का बराबर छिड़काव करायें तथा पेयजल एवं हरे चारे की समुचित व्यवस्था रखी जाये।

30 बिंदुओं पर मेडिकल कॉलेजों की हकीकत परखेंगे आला अफसर, सभी प्रधानाचार्यों को व्यवस्था सुधारने का निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की नए सिरे से जांच कराई जाएगी। इसकी जिम्मेदारी सचिव स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है। ये अधिकारी अप्रैल में छह जिले के कॉलेजों की जांच करेंगे। अगले माह अन्य जिलों के कॉलेजों की जांच होगी। ये अधिकारी गर्मी में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपाय सहित 30 बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस संबंध में प्रधानाचार्यों को पहले से ही आगाह कर दिया गया है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि उनके यहां कमियां मिली तो कार्रवाई होनी तय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों समीक्षा के दौरान मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने शासन स्तर के अधिकारियों को मौके पर जाकर व्यवस्था देखने का निर्देश दिया था। इसके तहत चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने विभाग की सचिव अपर्णा यू को गोरखपुर, प्रयागराज और मेरठ की जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि किंजल सिंह को अयोध्या, लखीमपुर खीरी और हरदोई का जिम्मा दिया है। दोनों अधिकारी किसी भी दिन इन जिलों के कॉलेजों का निरीक्षण कर अपनी गोपनीय आख्या प्रमुख सचिव को सौंपेंगे। इस दौरान स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार किसी तरह के नवाचार की जरूर होगी तो उसके बारे में भी सुझाव देंगे। मई माह में अन्य जिलों के कॉलेजों की जांच कराई जाएगी। दोनों सचिव संबंधित अस्पतालों में गर्मी एवं सर्दी में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव के इंतजाम कराएंगे। इसी तरह आईसीयू में बेड की क्रियाशीलता, स्टाफ का प्रशिक्षण, मेडिकल कॉलेजों की जांच के दौरान इमरजेंसी व ट्रामा सेंटर में दवा, जांच, बेड आदि की व्यवस्था और स्टॉफ, ब्लड बैंक की क्रियाशीलता, दवाओं की सूची, यूपी व पीजी की सीटों की वृद्धि संबंधी कार्यवाही आदि 30 बिंदुओं पर जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगे।

प्रधानाचार्यों को सालभर पहले दिया गया था निर्देश

प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को अप्रैल 2024 में व्यवस्था सुधार के संबंध में निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी तमाम कॉलेजों में व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं। कई कॉलेजों में तो इमरजेंसी व्यवस्था सुधारने के बजाय मरीजों को सीधे रेफर कर दिया जाता रहा है। बायोमीट्रिक हाजिरी से लेकर बायोमेडिकल वेस्ट पर भी ध्यान नहीं दिया गया। इसी तरह बिजली व्यवस्था में भी सुधार नहीं हुआ है। ऐस में अब सभी कॉलेजों में बारी–बारी से जांच कर व्यवस्थाएं सुधारी जाएंगी।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पूर्व मंत्री को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। रायबरेली के लालगंज कस्बे के पानदरीबा मोहल्ला निवासी पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडेय और उनकी पत्नी बीना पांडेय के निधन पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं ने पांडेय दंपति को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडेय का भाजपा में योगदान अविस्मरणीय है। उनका पांडेय परिवार से पारिवारिक रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि पूर्व मंत्री के निधन से पार्टी को गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पांडेय ने जो कार्य और आदर्श छोड़े हैं, उन्हें पार्टी आगे बढ़ाएगी और उनकी स्मृतियों को सहेज कर रखेगी। दोनों नेताओं ने पूर्व मंत्री के पुत्रों अनिंद्य पांडेय, अनंत उर्फ अनूप पांडेय व अजय पांडेय से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इस मौके पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, जिला प्रभारी पीयूष मिश्रा, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, भाजपा नेता पप्पू लोहिया, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा निखिल पांडेय, कैलाश बाजपेई, चंद्रप्रकाश पांडेय, यतींद्र चौहान, प्रो. अविनाश प्रताप सिंह, रामप्रताप सिंह, महेश सोनी, गोपाल जी गुप्ता, रोहित सोनी सहित ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनी लोगों की समस्याएं

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) । आज शाहाबाद तहसील सभागार में आयोजित तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने लोगों की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने कहा कि वरासत व अंश निर्धारण के प्रकरणों का तत्काल निस्तारण कराया जाये। अवैध कब्जे की शिकायत

पर राजस्व विभाग व पुलिस की टीम तत्काल मौके पर जाये। चकरोड से अवैध कब्जे को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की जाये। आग लगने की घटनाओं में पात्रों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की कार्रवाई में देरी न की जाये। चकबंदी से सम्बंधित समस्याओं का जल्द निस्तारण कराया जाये। पैमाइश की कार्रवाई निर्धारित समय सीमा में की जाये। पेंशन के प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। विधवा, वृद्धावस्था व दिव्यांग पेंशन के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। काश्तकार की कृषि भूमि पर अवैध कब्जे को तत्काल हटाया जाये। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस टीम राजस्व टीम के साथ मौके पर जाये। यथा संभव बातचीत कर मामलों को सुलझाया जाये। जन सुनवाई के दौरान एक अजीबो गरीब मामला सामने आया। कहोरा गाँव के शिवरानी उर्फ संतोष कुमारी पत्नी शिवराम ने शिकायत की कि उसने पांच वर्ष पूर्व एक जमीन वेद प्रकाश से खरीदी थी। पाँच वर्ष बाद विक्रेता ने उसी जमीन पर स्टेट बैंक शाहाबाद से ऋण ले लिया और उसकी जमीन बंधक हो गयी। जिलाधिकारी ने तत्काल एलडीएम, सम्बंधित थाना इंचार्ज व लेखपाल को बैंक भेजा तथा पूरे मामले की जानकारी कर मामले का नियमानुसार निस्तारण कराने के निर्देश दिए। एलडीएम ने बैंक से वापस आकर जानकारी दी कि लोन 2014 में लिया गया था लेकिन इसे जब ऑनलाइन किया गया तब तक जमीन बिक चुकी थी। वेद प्रकाश के विरुद्ध वसूली के लिए आरसी जारी की गयी है। इस सम्बन्ध में पुलिस जाँच के भी निर्देश दिए गए। समाधान दिवस के बाद उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सभी कानून गो व लेखपालों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि वादों का निस्तारण तेजी से कराया जाये। म्यूटेशन के प्रकरणों में निर्णय लेने में देरी न की जाये। सभी अधिकारी व कर्मचारी निष्ठा व मेहनत के साथ अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने वादों से सम्बंधित पत्रावलियों को भी देखा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी पीपी त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी दीक्षा जोशी, एसओसी चकबंदी पीसी उत्तम, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज मिश्रा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यालय तथा परिवार के बीच मजबूत साझेदारी ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खंड–5 में कक्षा नर्सरी से कक्षा चौथी तक के लिए पैरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय की शिक्षण–पद्धति, पाठ्यक्रम एवं सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी देना था। अभिभावकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बनाए गए अनुभवात्मक एवं समावेशी पाठ्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार विद्यालय छात्रों के संपूर्ण विकास पर बल देते हुए आवश्यक कौशल, जैसे संवाद–क्षमता, आलोचनात्मक चिन्तन और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम में भाषा संवर्धन हेतु चलाए जा रहे विशेष कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला गया, जिनमें फोनेटिक्स, कविता पाठ, कहानी लेखन तथा संवाद कौशल विकास

प्रमुख हैं। खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यालय में आयोजित की जाने वाली नियमित योग कक्षाओं, पी.टी. , इनडोर व आउटडोर गेम्स एवं वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं की जानकारी भी साझा की गई। विद्यालय द्वारा संचालित विशेष पाठ्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में भी अभिभावकों को विस्तार से बताया गया। प्रधानाचार्या रचना मिश्रा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा में भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि विद्यालय तथा परिवार के बीच मजबूत साझेदारी ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण संवाद एवं सहभागिता के साथ हुआ, जिसमें अभिभावकों ने विद्यालय की प्रयासों की सराहना की।

कर्तव्यहीनता पर बड़ी कार्रवाई- उ0नि0 अरविन्द कुमार राय लाइन हाजिर, विभागीय जांच के आदेश

ब्यूरो चीफ आशुतोष चौधरी

गोरखपुर। जनपद गोरखपुर में पुलिस महकमे में अनुशासनहीनता और लापरवाही को लेकर एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने थाना कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक (उनि) अरविन्द कुमार राय को उनके कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

एसएसपी द्वारा इस मामले को गंभीर मानते हुए उप निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

बीते दिनों उप निरीक्षक अरविंद राय ने सड़क पर एक दुकानदार को थप्पड़ मार दिया था, जिसका सीसीटीवी फुटेज तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसी फुटेज के आधार पर उपनिरीक्षक अरविंद राय पर कार्रवाई की गई है।

तहसीलदार के निलंबन की मांग को लेकर पीपीए ने दिया पत्रक

गोरखपुर ब्यूरो चीफ

गालीबाज तहसीलदार के निलंबन की मांगो को लेकर गोला तहसील सभागार मे पत्रकारों के संगठन पीपीए ने उपजिलाधिकारी को तीन सूत्रीय मांगो का पत्रक सौंपा। पत्रक के माध्यम से तहसीलदार के निलंबन की माँग की गयी। शनिवार को पीपीए की तहसील इकाई के अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व मे पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक उपजिलाधिकारी को सौंपा। पत्रक के माध्यम से मांग की गयी कि सदर तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह एक पत्रकार से इस बात को लेकर नाराज हो गएं कि पत्रकार ने पीड़ित महिला की आवाज उठाई और पत्रकार को फोन पर भद्दी भद्दी गालियां देने लगें। मुख्यमंत्री के जिले मे इस प्रकार का कृत अक्षम्य होना चाहिए लेकिन अभी तक तहसीलदार पर कोई कार्यवाई नहीं हुई है। ऐसे में पत्रकारों मे भारी रोष है। तहसीलदार को तत्काल प्रभाव में पदमुक्त करते हुए गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाय। जिससे आने वाले दिनों में किसी पत्रकार को कोई अधिकारी एवं कर्मचारी अभद्रता ना करने पाए।

इस दौरान तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा, राजेश पाण्डेय, कुमार यादव, अखिलेश तिवारी, बसंत यादव, आशुतोष चौधरी, चन्द्र प्रकाश विश्वकर्मा, राजकुमार यादव, कृष्णा गोंड सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

प्रत्येक दशा में हो ससमय वेतन संबंधी बकाया भुगतान - अमित सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर!उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष अमित सिंह और जिला मंत्री सतीश पाठक के नेतृत्व में हुई, बैठक में समस्त ब्लाको के अध्यक्षध्मंत्री एवम जनपदीय पदाधिकारी उपस्थित रहे,इस अवसर पर शिक्षकों की लंबित समस्याओं के विषय पर गंभीर चर्चा–परिचर्चा हुई, बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि जिले स्तर पर वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय द्वरा शिक्षकों के बकाया भुगतान को लेकर अनावश्यक विलंब करके शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है,जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है, इस महत्वपूर्ण विषय पर पहले ही संगठन द्वारा पत्र आदरणीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से वित्त एवं लेखाधिकारी महिदय को दिया जा चुका है,लेकिन विभाग द्वारा उदासीन रवैया के कारण बड़ी संख्या में जनपद के शिक्षकों का बाकया विलंबित है,जिसके लिए उन्हें लेखा कार्यालय का चक्कर काटना पड़ रहा है, यदि वित्त एवम लेखाधिकारी कार्यालय द्वारा शिक्षकों के लंबित बकाया का भुगतान एक हफ्ते के भीतर नही होता है तो संगठन कार्यालय का घेराव करने के लिए विवश होगा, साथ ही जिलाधिकारी यक्ष ने कहा कि बड़े पैमाने पर ब्लाको में निलंबित शिक्षकों की पत्रावली लम्बित पड़ी है,जबकि शासकीय गाइडलाइन के अनुसार निलंबन जांचध्बहाली प्रक्रिया 3 महीने के अंदर सुनिश्चित होनी चाहिए,इस सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय से मिलकर जल्द ही विस्तृत वार्ता की जाएगी, साथ ही नए सत्र में पुस्तक वितरण के सम्बंध ा में उत्तरदायी कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त टेंडर के अनुसार प्रत्येक विद्यालय में उन्ही संस्था द्वारा पुस्तक उपलब्ध कराई जानी है,लेकिन कुछ ब्लाको से शिकायत मिली है कि विभाग अध्यापकों पर पुस्तक बी आर सी से ले जाने के लिए अनावश्यक दबाव डाल रहा है,जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है, इस अवसर पर संगठन के संरक्षक राजीव रतन तिवारी के सेवानिवृत्ति पर संगठन द्वारा उनके लम्बी निष्कलंक विशिष्ट सेवा पर सम्मानित किया गया। बैठक का संचालन जिला मंत्री सतीश पाठक ने किया।

युवाओं के जीवन का ठोस आधार स्वाबलंबन ही है -डी जी एम कुमार अवनीश

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा सेवा आश्रम एंव रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड के सहयोग से संचालित स्वाबलम्बन उद्यमिता कौशल प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा पांचवे बैच के लाभार्थियों को प्रशिक्षु प्रमाण पत्र वितरण समारोह स्वावलंबन केन्द्र में किया गया। कार्यक्रम में 11 गांव के 30 लाभार्थी को सिलाई एवं ब्यूटीशियन के स्वाबलंबन प्रमाण पत्र वितरण किये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुमार अवनीश ने कहा कि स्वाबलंबन कार्यक्रम रोजा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड का प्रमुख कार्यक्रम है। क्षेत्र के अब तक 181 युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विनोबा सेवा आश्रम के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया। क्षेत्र में विनोबा सेवा आश्रम के साथ शिक्षा स्वास्थ्य आय उपार्जन का भी कार्यक्रम जन कल्याण हेतु चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम में विनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार ने कार्यक्रम की भावी रणनीति बताते हुए कहा कि अब तक प्रशिक्षण प्राप्त किये 90 प्रतिशत लाभार्थी अपना उद्योग स्थापित कर अच्छी आमदनी कर रहें हैं और सफल प्रशिक्षुओं को सरकार की योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है जिससे स्वरोजगार स्थापित करने में कोई कठिनाई नही आ रही है। इस प्रशिक्षण की सफलता संपूर्ण क्षेत्र के लिए उदाहरण बन रही है जिसमे प्रत्येक लाभार्थी ने अपना भरपूर योगदान दे रहा है ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।